www.esamaad.com

समाद

मैथिली भाषा मे पहिल ई-पेपर
पटना, 14 जुलाई, 2010 ● अंक-42 ● वर्ष-3

बदलैत बिहारक बदलैत मौसम मे उडैत पहुंचल साइबेरियन पाहुन

ÎçßŠææ × çÕãæÚ

कहल जाइत अछि जे एकटा महिला अगर शिक्षित हुए त पूरा परिवार कए शिक्षित भ जाइत अछि। परिवारक समूह स समाज आ जखन बदलैत समाजक तसवीर लेबाक हुए त एकटा महिलाक राय स बेसी महत्वपूर्ण आओर की भ सकैत अछि। नीतीश सरकारक पांच साल आखिर केहन रहल इ बुझबा लेल समाद आ सूत्र नामक संस्था मिलकए एकटा सेंपल सर्वे केलक अछि। छोट पैमाना पर कैल गेल इ सर्वे काफी रोचक आंकडा देलक अछि। करीब एक हजार महिला, जाहि मे गृहणी, कामकाजी आ विद्यार्थी शामिल छथि स नीतीश सरकार स संबंधित ओ सवाल कैल गेल जे आम लोकक ध्यान मे अछि। बिहारक आधा आबादी अर्थात महिलाक राय काफी रोचक रहल, 40 फीसद महिला जतय सरकारक काज स संतुष्ट नहि छथि, ओतहि 70 फीसद विपक्षक भूमिका स सेहो असंतुष्ट छथि। 60 फीसद महिला मानैत छथि जे बिहार बदलि रहल अछि, मुदा 55 फीसद इ मानबा लेल तैयार नहि छथि जे जातिवाद कमजोर भेल अछि। गृह विभाग क काज स जतय 70 फीसद महिला संतुष्ट छथि ओतहि 65 फीसद वित्त विभाग काज स सेहो संतुष्ट छथि। शहरी विकास, बिजली आओर परिवहन विभाग महिलाक नजरि मे मनोकूल परिणाम नहि द सकल। जखन की शिक्षा, स्वास्थ्य आ पथ निर्माण विभाग क काज महिलाक नजरि मे ठीक ठाक रहल। सबस रोचक सवाल छल सरकार कतय हारि गेल, सामने राखल तीनटा विकल्प मे स 37फीसद महिला क कहब अछि जे भ्रष्टाचार रोकबा मे, जखन कि 33 फीसद क कहब अछि जे उद्योग लगेबा मे, बाकी लेल बाढ रोकबा मे सरकार विफल रहल। सर्वेक आखरी सवाल छल बिहारक सबस पैघ ब्रांड कए, उपलब्ध विकल्प मे सुपर30 कए 75 फीसद महिला बिहार क सबस पैघ ब्रांड मानलथि। कुल मिलाकए देखल जाए स सरकारक प्रदर्शन कए ल कए बिहार महिला मे दुविधा अछि।

विपक्षक भूमिका स अहां संतुष्ट छी

हां	नहि	चुप
20	70	10

बिहार मे जातिवाद कमजोर भेल अछि

हां	नहि	चुप
30	55	15

बिहार संग सौतेला व्यवहार भ रहल अछि

हां	नहि	चुप
45	50	05

एहि मे सबस नीक मुख्यमंत्री कए छथि

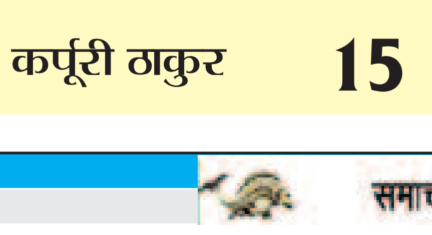

नीतीश कुमार	65
श्रीकृष्ण सिंह	20
कर्पूरी ठाकुर	15

बिहार बदली रहल अछि

हां	नहि	चुप
60	30	10

एहि मे सबस खराब मुख्यमंत्री कए छथि

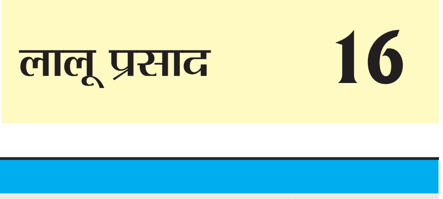

राबड़ी देवी	70
जगन्नाथ मिश्र	14
लालू प्रसाद	16

सरकारक काज स अहां संतुष्ट छी

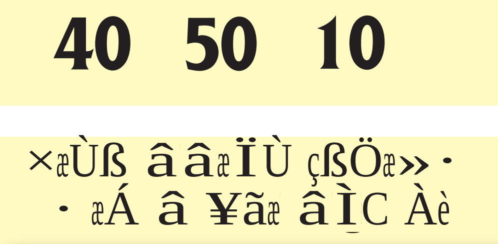

हां	नहि	चुप
40	50	10

गृहविभाग क काज स अहां संतुष्ट छी

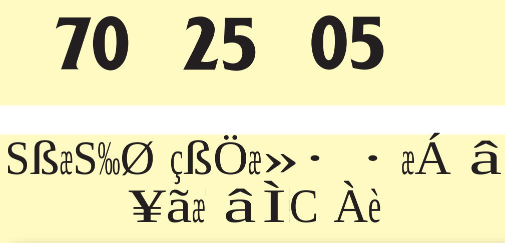

हां	नहि	चुप
70	25	05

वित्त विभाग क काज स अहां संतुष्ट छी

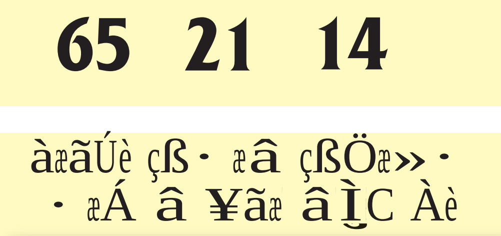

हां	नहि	चुप
65	21	14

×æÙß âãæÏÙ çßÖæ» · · æÁ â ¥ãæ¡ âÌC Àè

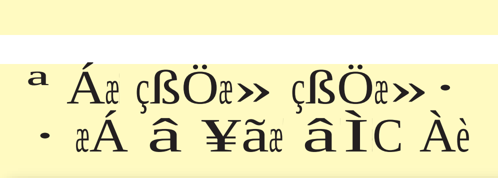

हां	नहि	चुप
55	42	03

SßæS‰Ø çßÖæ» · · æÁ â ¥ãæ¡ âÌC Àè

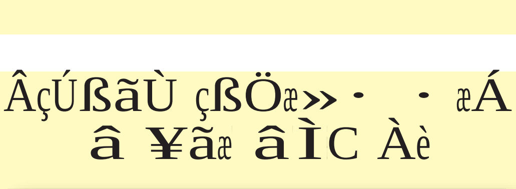

हां	नहि	चुप
52	40	08

àæãÚè çß· æâ çßÖæ» · · æÁ â ¥ãæ¡ âÌC Àè

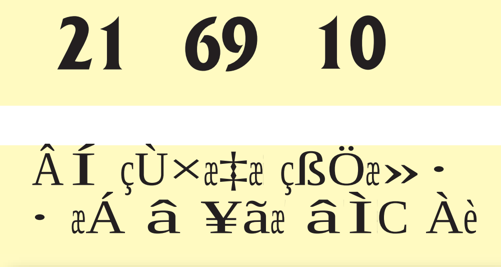

हां	नहि	चुप
21	69	10

ª Áæ çßÖæ» çßÖæ» · · æÁ â ¥ãæ¡ âÌC Àè

हां	नहि	चुप
04	96	00

ÂçÚßãÙ çßÖæ» · · æÁ â ¥ãæ¡ âÌC Àè

हां	नहि	चुप
05	95	00

ÂÍ çÙ×æü‡æ çßÖæ» · · æÁ â ¥ãæ¡ âÌC Àè

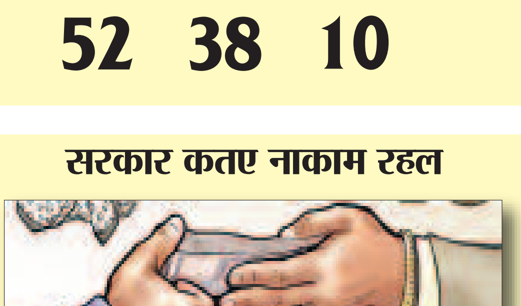

हां	नहि	चुप
52	38	10

सबस पैघ ब्रांड रहल

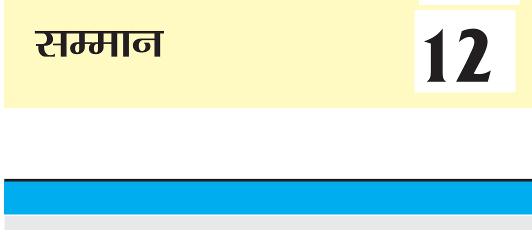

सुपर 30	75
सुधा	13
सम्मान	12

सबस पैघ उपलब्धि

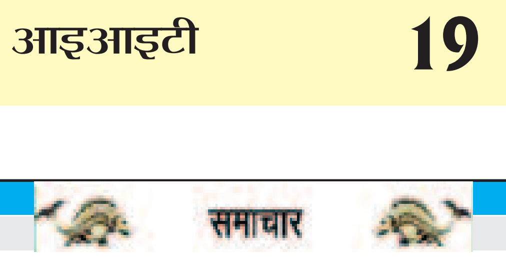

रेल कारखाना	50
नालंदा विवि	31
आइआइटी	19

सरकार कतए नाकाम रहल

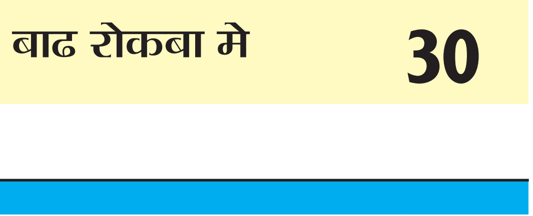

भ्रटाचार रोकबा मे	37
उद्योग लगेबा मे	33
बाढ रोकबा मे	30

जन्म आ मृत्यु क बीच क बाट मात्र नहि अछि जीवन

हिमकर श्याम

जन्म आ मृत्यु क बीच क जे यात्रा अछि जीवन अछि। एहि यात्रा मे कखनो रौद भेटैत अछि त कखनो छाहरि। कखनो सुख भेटैत अछि त कखनो दुख। एहि सबहक बीच आदमी कए अपन तयशुदा यात्रा पूरा करै पड़ैत अछि। अहां जीवन कए कोना जीबैत छी इ पूरा अहां पर निर्भर अछि। परिस्थिति पर कनैत हताश भ बैस जाइत छी या फेर अपन सामर्थ्य क बल पर लक्ष्य क पूर्ति मे जुटल रहैत छी। जीवन स मुक्ति क उपाय आहि स भागब नहि, बल्कि ओकरा स्वीकार करब अछि। जीवन जीबाक ढ़ंग स जीवन शक्ति क विकास या ह्रास होइत अछि। प्रतिकूल समय कए अपन साहस क बल पर काटनिहार कए जीवन मे सफलता भेटैत अछि। जीवन कए त कोनाओ जीयल जा सकैत छैक। इ अहां कए तय करबाक अछि जे अहां जिनगी कौन प्रकार स जीबैत छी। किया कि इ अहां जीवन थिक जेकरा हर हाल मे जीबाक अछि। मनुष्य अपन शत्रु अपने अछि आ स्वयं अपन मित्र सेहो। ओ अपना मे शुरू होइत अछि आ अपने मे नष्ट भ जाइत अछि। इ मनुष्य क स्वभाव पर निर्भर अछि जे अस्त-व्यवस्तता अपनाकए अपना कए दुर्गति क गर्त मे धकेल दैत अछि या चुस्त-दुरूस्त रहिकए प्रगति क पथ पर निरंतर आगू बढ़ैत अछि। एकहि रंग-रूप, नैन-नक्श आ कद-काठी क हेबाक बावजूद एकटा मनुष्य संपन्नता मे जीबैत अछि आ दोसर विपन्नता मे। सुख आ दुख शाश्वत अछि। जीवन मे एकर आएब अनिवार्य अछि। कोई एकरा स बचि नहि पबैत अछि। हमर सोच क सीधा असर हमर जीवन पर पड़ैत अछि। हम अपन सोच कए बदल दी त हमर भाग्य सेहो बदलि जाएत। निराशावादी आशा मे सेहो निराशा ताकि लैत दथि आ आशावादी निराशा मे सेहो आशा क संचार करि लैत छथि। कोनो कार्य मे बेर-बेर भेट रहल असफलता, दरअसल आबैवाला सफलता क तैयारी करि रहल होइत अछि। कठिन परिश्रम आ सतत् प्रयास स अंतत: ओ सफलता हमरा भेटैत अछि जेकर हमरा इंतजार रहैत अछि।

हम जे किछु छी, ओकरा लेल हम खुद जिम्मेवार छी। मनुष्य मे एहन शक्ति अछि जे कोनो अन्य जीव या प्राणी मे नहि। वह शक्ति अछि आत्मदृष्टि, जे ओकरा अपना स बाहर स्वयं अपना कए देखबाक लेल सक्षम बनबैत अछि। इ आत्मदृष्टि मनुष्य कए अन्य जीव स अलग करैत अछि। दार्शनिक लोकनि मनुष्य कए भटकैत देवता कहलथि अछि। जीवन क संघर्ष मे सफलता पेबाक लेल उत्साह कए होएब जरूरी अछि। नकारात्मक भाव क कारण हम अक्षम बनै लगैत छी। सफलता ओकरे भेटैत अछि जे उत्साह स परिपूर्ण होइत अछि। सफलता आ असफलता परिस्थिति आ सामर्थ्य पर निर्भर अछि। सफलता मे देर हुए मुदा ओ ठीक दिशा मे हेबाक चाही।

मंजिल पायब आसान नहि अछि त बहुत कठिन सेहो नहि अछि। कल्पना क रूख हमदम ऊपर दिस हेबाक चाही। अहां कए एहन हिम्मत रखबाक चाही जे अहां अपना कए शिखर पर चढ़ा ल जाएब। सामर्थ्य रहितो हमरा आचरण एकरा स उल्टा होइत अछि। हम जेतबा ऊपर जा सकैत छी ओतबो नहि जा कए अपना कए नीचा खसा लैत छी। व्यक्ति क महानता ओकरा उपलब्ध साधन या परिस्थिति मे नहि बल्कि ओकर मनोबल मे सन्निहित अछि। मनोबल स जीवन क प्रत्येक दिशा मे उन्नति आ संपन्नता क द्वार खुलि जाइत अछि। संसार क महापुरूष क जीवन पर नजरि दी त पता चलैत अछि जे परिस्थिति, साधन आओर योग्यता क दृष्टि स ओ आरंभ मे बहुत पिछड़ल छलैथि। हुनकर प्रारंभिक स्थिति लगभग ओहने छल जेहन एकटा औसत दर्जा क मनुष्य क होइत अछि। हुनका मे एकटा खास विशेषता छल ओ छल मनोबल क प्रखरता।

एकाग्रता सफलता क मार्ग प्रशस्त करैत अछि। सफल व्यक्ति चाहे ओ कोनो क्षेत्र क हुए ओकर सफलता क सूत्र ओकर एकाग्रता अछि। एकाग्रता दू प्रकार क होइत अछि सहज आ अर्जित कैल गेल। वेदांत मे कहल गेल अछि जे हर व्यक्ति क एकटा स्वतंत्र दुनिया अछि आओर ओ ओकर मन क द्वारा सज्जित कैल गेल अछि। ओकर भावना, निष्ठा, रूचि आ आकांक्षा क अनुरूप ओकरा पूरा विश्व देखाइ दैत अछि। इ दृष्टिकोण बदल जाए, त मनुष्य क जीवन सेहो आहि आधार पर परिवर्तित भ जाइत अछि। जे हम सोचैत छी, से करैत छी आओर वैह भोगैत छी। मन ही हमर मार्गदर्शक अछि आ ओ जाहि दिस चलैत अछि शरीर सेहो आहि दिस जाइत अछि।

जीवन क उत्थान आ पतन क केंद्र मन अछि। मन कए कामधेनु सेहो कहल गेल अछि। मन कामना सेहो करैत अछि आ मन ओकर पूर्ति क साधन सेहो जुटा लैत अछि। जीवन क उन्नि क लेल मन क साधल होएब आवश्यक अछि। यदि ओ अव्यवस्थित, असंयमित अछि त सफलता नहि भैट सकैत अछि। जेकर मन बेकाबू अछि ओकर जीवन असफल आ दुखमय रहैत अछि। यदि मन कए साधि लेल जाए त निर्वाह क आवश्यक साधन क कमी कखनो नहि पड़ि सकैत अछि। यदि कोनो कार्य सुव्यवस्थित तरीका स हुए त आसान भ जाइत अछि। अनियंत्रित आ अनियोजित तरीका स कैल गेल काज बोझ लगैत अछि।

मनुष्य क आयु बहुत लंबा नहि अछि, मुदा कनिसन आयु मे जीवन क सुख लेबाक सामर्थ्य अछि। मनुष्य अतीत या भविष्य मे बेसी रहैत अछि। वर्तमान मे बहुत कम रहैत अछि। अतीत क त हम किछु करि नहि सकैत छी। यदि हम अपन वर्तमान कए सुधारि ली त हमर भविष्य अपने आप सुधरि जाएत। मनोवैज्ञानिक क कहब अछि जे थिंक एण्ड गो रिच यानि सोच विधेयात्मक सोचू आ अखने सोचू ताकि अहां स्वयं कए श्रेष्ठ बना सकए। सब महा मानव एहि स महान बनलथि अछि। बीज कए वृक्ष बनेबा लेल लंब यात्रा करै पड़ैत अछि। बीज यदि बीज रहए त विश्व कए ओ उपलब्ध नहि होएत, जे वृक्ष स भ सकैत अछि । ओनाहि अपना कए विकास क शिखर तक पहुंचेबा लेल बहुत लंबा यात्रा करै पड़ैत छैक। यदि चेतना सुस्त रहए त हमरा ओ उपलब्ध नहि भ सकैत अछि जेकर हम अपेक्षा करैत छी।

जीवन मे सफलता प्राप्त करबाक आ व्यक्तित्व क समुचित विकास क लेल संस्कार क सेहो विशेष महत्व अछि। संस्कार नीक सेहो होइत अछि आ अधलाह सेहो। दूनू क प्रभाव मनुष्य क जीवन पर पड़ैत अछि। शबर क अनुसार संस्कार ओ अछि जेकर संपादन स कोई व्यक्ति कोनो कार्य क योग्य भ जाइत अछि। संस्कार ओ माध्यम अछि जाहि स व्यक्ति एकटा परिष्कृष्त आ पूर्ण समाज विकसित करैत अछि। विनोबा संस्कार संचय कए जीवन मानैत छथि। नदी स्वच्छन्दता स बहैत अछि मुदा ओकर प्रवाह बांधल होइत अछि। यदि ओ बद्ध नहि हुए त ओकर मुक्तता व्यर्थ चल जाएत। जीवन मे जखनधरि हम व्यवस्थित नहि होएब तखनधरि सफल नहि भ सकैत छी। ताहि लेल हमरा सब कए अपन व्यवहार बांधि लेबाक चाही ताकि जीवन बोझ नहि बल्कि आनन्दमय लागि सकए।

> **मनुष्य क आयु बहुत लंबा नहि अछि, मुदा कनिसन आयु मे जीवन क सुख लेबाक सामर्थ्य अछि। मनुष्य अतीत या भविष्य मे बेसी रहैत अछि। वर्तमान मे बहुत कम रहैत अछि। अतीत क त हम किछु करि नहि सकैत छी। यदि हम अपन वर्तमान कए सुधारि ली त हमर भविष्य अपने आप सुधरि जाएत। मनोवैज्ञानिक क कहब अछि जे थिंक एण्ड गो रिच यानि सोच विधेयात्मक सोचू आ अखने सोचू ताकि अहां स्वयं कए श्रेष्ठ बना सकए।**

आई पटना स ल कए अमेरिका तक बिहार क बदलाव चर्चा क विषय बनल अछि। पिछला लगभग पांच साल स नीतीश कुमार राज्यक मुखिया छथि। एकटा वर्ग एहि लेल हुनका श्रेय द रहल अछि। दोसर वर्ग सडक, बिजली आ उद्योग क हालत देखी विकासक गति मापबाक प्रयास करि रहल अछि। मुदा बिहार मे जे चुपचाप क्रांति भ रहल अछि ओकरा दिस ककरो ध्यान नहि जा रहल अछि। सच मानू त बिहार कए बदलिनिहार ओकर गाम आ शहर क लोक अछि जे बिना कोनो अखबार मे विज्ञापन निकाली अपन काज स अपन आ राज्यक सामाजिक आर्थिक आ राजनीतिक विकास कए रहल अछि। किया कि बिहारक मे जे बदलाव भ रहल अछि ओ कोनो एकटा नेता या एकटा तार्किक सिद्धांत क बल पर नहि भ सकैत अछि। समाद एहने किछु लोकक संबंध मे समय समय पर जानकारी दैत रहल अछि। एहि नव कडी मे प्रस्तुत अछि समदिया क तीन गोट खास रपट जाहि मे एहन बिहार नवनिर्माता क बारे मे बताउल गेल अछि जे अपनो नहि बुझि पाबि रहल अछि जे ओ राज्यक विकास लेल भ रहल खामोश क्रांतिक अग्रदूत छथि।

अपराध स तपल धरती पर सेवा क गंगाजल

बगहा (प.चंपारण)। एकटा एहन माइट जतय कायम छल डाकु क आतंक। लोग झेलैत रहल सअ साल बाढ़ि। जूझैत रहल गरीबी स। चहलकदमी करैत एक दोसर क खून क प्यासल। घर स निकलैत महिला। मुदा एहि सब स अलग एहि माइट पर एकटा महिला समाजसेवा क बदौलत बना लेलथि मुकम्मल पहचान। एहि बहादुर महिला क नाम अछि – उर्मिला कुशवाहा। पिपरासी प्रखंड क सेमरा लबेदाहां पंचायत स्थित मंझरिया गांव क रहनिहारि उर्मिला कुशवाहा 1998 मे समाज सेवा क क्षेत्र मे कदम रखलथि। माध्यम बनल स्वयंसेवी संस्था वन विकास भारती आ कार्यक्षेत्र बनल गंडक पार दियारा। वर्ष 2001 तक उर्मिला अपराधक छाहरिक बीच लोक कए स्वास्थ आ शिक्षा क प्रति जागरूक त करैत बाढ़ि स बचबाक हुनर सेहो बेतेलथि। उर्मिला क सेवा क रंग आम लोक पर एहन चढ़ल जे 2001 मे ओ जिला पर्षद क सदस्य चुनल गलीह। पांच वर्ष तक जनता क सेवा मे लागल रहलीह। जिला परिषद क सदस्यता अवधि खत्म भेलाक बाद आब ओ उत्तर प्रदेश क महादेवा स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र पर मुख्य सेविका क रूप मे शिक्षा क अलख जगा रहल छथि। उर्मिला कहलथि जे शुरू स हुनकर इच्छा छल जे नारी अबला अछि इ मिथक कए तोड़ल जाए। एहि मिशन क तहत वन विकास भारती क संग जुड़लहुं। संस्था स प्रोत्साहन भेटल आ सेवा क बूते जिला पार्षद मे चुनल गेलहुं। लेकिन राजनीति मे रहि कए समाज लेल बेसी काज करबा दिक्कत बुझाइल ताहि लेल सियासत स तौबा करि समाज सेवा दिस लौट एलहुं।

इ नारी सब पर भारी

कोठिया (शिवहर) । शिवहर शहर स सटल अछि कोठिया गाम। एकटा एहन गाम, जेकर चारूकात केवल हरियाली ये हरियाली अछि। एहि हरियाली मे आब एहि ठामक महिला क सेहो योगदान अछि,, जे पुरुष क लेल सेहो नजीर बनि गेलथि अछिं। सामूहिक खेती क अद्भुत मिसाल कायम करनिहारी इ महिला लोकनि एहि ठाम वर्मी कंपोस्ट तक क उत्पादन करि रहल छथि। हिनकर सफलता क दास्तां बयां करि रहल अछि शिवहर-पिपराढ़ी मुख्य सड़क क कात लागल बीस एकड़ जमीन, जतय नेनुआ, खीरा, टमाटर, भिंडी, बैगन, चुकंदर, मिर्च, लौकी, करैला आदि तरकारी। तरकारी स लहलहा रह खेत देखी हुनकर एहि हुनर कए शिवहर क डीएम सुरेश प्रसाद सिंह सेहो सलाम करैत छथि।

डुमरा क बेरबास क एकटा बागवां

सीतामढ़ी । डुमरा प्रखंड क बेरबास गाम क 75 वर्षीय मो. इसराइल। ओ किसी फिल्म क महानायक नहि छथि ने कोनो टेली सीरियल क नायक, मुदा बिहारक बदलैत सामाजिक आ आर्थिक दशा लेल हिनकर गिलहरी प्रयास समाज मे नायक बना देलक अछि। पारिवारिक संबंध क मजबूत बुनियाद आ मेहनत क बल पर आत्मनिर्भर भेल इसराइल बिहारक विकास मे ओहने योगदान द रहल छथि जेहन समुद्र पर राम सेतु बनेबा मे एकटा छोट सन गिलहरि देने छल। मो. इसराइल 64 सदस्यक परिवार क मुखिया छथि, जेकर आजीविका क आधार माछ पोसब अछि। डुमरा प्रखंड क बेरबास गाम मे माछ पोसी कए खुशहाल जिनगी जी रहल इ संयुक्त परिवार इलाका मे मिसाल बनि गेल अछि। इसराइल क सातटा बेटा अछि, जाहि मे छहटा कए ब्याह भ चुकल अछि। पुत्र निजामुद्दीन, महमूद आलम, अली हुसैन, हुमेदूर रहमान, जुबैद, अनवारूल व शहाबुद्दीन क लेल अब्बा क हुक्म अल्लाह-ताला क हुक्म क तरह अछि। इसराइल खुद निरक्षर छथि, मुदा बेटा कए शिक्षित बनौलथि अछि। पौत्र क संग संग पौत्री कए सेहो स्कूल पठा रहल छथि। आइ इ परिवार जेहन अछि किछु साल पहिने तक एहन नहि छल, इ परिवार गरीबी कए काफी लग स जीलक अछि। इसराइल 1962 स माछ क व्यवसाय मे छलाह, मुदा दू सांझक रोटी मुश्किल छल। कहुना कए कर्ज ल एक एकड़ जमीन कीनलाह। फेर 2000 मे सिंडिकेट बैंक स पांच लाख टका ऋण प्राप्त करि राघोपुर बखरी मे सरकारी हैचरी क लग निजी हैचरी स्थापित केलथि। आवंटन क अभाव मे सरकारी हैचरी बंद भ चुकल छल। आइ एक दशक मे इ हैचरी लगातार कामयाबी क इतिहास रचि रहल अछि। सीतामढ़ी, शिवहर आ नेपाल तक क माछ व्यवसायी एहि हैचरी स माछ लकए बेच रहल छथि। मो. इसराइल कहैत छथि किछु मुश्किल नहि अछि बस ठान लेबाक हिम्मत हुए।

अंक- 42, साल-3, समाद प्रकाशन क लेल esamaad.com स इंटरनेट संस्करण प्रकाशित। प्रबंधक : छवि झा, संपादक : कुमुद सिंह, समाचार संपादक : पुतुल सिंह। (खबरक चयन लेल जिम्मेदार)। फोन : 011-22484593, 09250281098, ई-मेल : esamaad@gmail.com